'सड़क सुरक्षा और आध्यात्मिकता' सम्मेलन में शरीक हुए देशभर से हज़ारों लोग

शांतिवन। चाहे सड़क की यात्रा हो या जीवन की यात्रा, दोनों में ही सुरक्षा महत्वपूर्ण है। जीवन कीमती है इसलिए जीवन की सुरक्षा के लिए मन का संतुलन ज़रूरी है। उक्त उद्गार रेलवे मंत्रालय भारत सरकार के पैसेन्जर सर्विस कमेटी के चेयरमैन रमेश चन्द्र रतन ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात एवं परिवहन प्रभाग की ओर से 'सड़क सुरक्षा और आध्यात्मिकता' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था सराहनीय कार्य कर रही है। यहाँ की बहनों का त्याग और समर्पण का मिसाल बहुत कम जगह देखने को मिलता है। अजमेर डिविज़न के डी.आर.एम. राजेश कुमार कश्यप ने कहा कि अध्यात्म की परिभाषा जिसने समझ ली उसी दिन ही उसका कल्याण हो जायेगा। अध्यात्म का अर्थ आत्मा के अध्ययन से है। जिसके अन्दर अध्यात्म की लौ जगी हुई है, वह हर स्थान पर सुरक्षित होगा। यातायात एवं परिवहन प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि मन को स्वस्थ और शांत रखने के लिए प्रतिदिन राजयोग का ध्यान आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीज़ की प्रबन्धिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने लोगों से ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में राजयोग और अध्यात्म से जुड़ने की अपील की। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. दिव्य प्रभा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर गाड़ी चालक राजयोग सीखे, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आये। कई स्थानों पर हुए शोध से रचनात्मक परिणाम आये हैं। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी मनीष शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर ब्रह्माकुमारी संस्थान बहुत ही एक्टिव रहता है। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुरेश शर्मा ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रभाग की वरिष्ठ सदस्या ब्र.कु. कुन्ती, ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. नीरजा समेत कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. दिव्य प्रभा, रमेश चन्द्र रतन, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. निर्मला, डी.आर.एम. राजेश कश्यप व ब्र.कु. सुरेश।

ब्रह्माकुमारीज़ के शुभ कर्मों से विश्व होगा प्रकाशित - राज्यपाल

सिरसा। ब्रह्माकुमारीज़ के शुभ कर्मों के प्रकाश से न केवल भारत भूमि अपितु समुचा विश्व आलोकित होगा। उक्त विचार ओडिशा के राज्यपाल महोदय गणेशी लाल ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांति सरोवर द्वारा सिरसा के बरनाला रोड पर स्थित के.सी .एम. मॉटल में आयोजित अनूठे कन्यादान एवं प्रभु समर्पण समारोह में विशाल सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान देने के साथ-साथ विद्या के स्वरूप को समझाने का भी काम किया है। जिस आदिशक्ति महामाया को विश्व अपनी समझ से परे समझता आया है, उसे भारतीयों ने प्रत्यक्ष रूप में इस धरा पर उतारा है। आज सब लोग भारत रत्न, विश्व रत्न आदि अनेकों तरह के सम्मान को प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं लेकिन जिस नारी शक्ति ने शिव को ही वर लिया उसके आगे दुनिया के यह सभी प्रकार के रत्न कोई मूल्य नहीं रखते। उन्होंने संस्थान में समर्पित हुई बहनों को बधाई दी और कहा कि इन कन्याओं ने परमात्मा शिव को अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया है उसके लिए मैं इन्हें नमन करता हूँ। समाज तथा संसार को स्वर्णिम बनाने का इनका संकल्प सफल हो ऐसी मेरी शुभ भावना है। यह वो शुभ अवसर था जब सिरसा की चार बहनों - रंगड़ी से ब्र.कु. परमजीत कौर, कुसुंभी से ब्र.कु. राधा, चोपटा शक्कर मंदौरी से ब्र.कु. ज्योति तथा कागदाना से ब्र.कु. सुमन ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का संकल्प लेते हुए अपना जीवन समाज कल्याण की महान सेवार्थ प्रभु समर्पित कर दिया। इन बहनों के मात-पिता एवं अन्य परिजनों की भी इस अनूठे कन्यादान में मुख्य सहभागिता रही। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से आये कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि जिस तरह से इन चार बहनों ने अपना जीवन समाज कल्याण के कार्य में समर्पित किया है, ये जीवन का बहुत महत्वपूर्ण फैसला है जिसके लिए ये बहनें और इनके माता-पिता बधाई के पात्र हैं। बठिण्डा सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश दीदी तथा मानसा सेवाकेंद्र संचालिका राजयोगिनी सुदेश दीदी ने भी अपनी शुभ भावनायें व्यक्त की। कार्यक्रम में कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह देते हुए ब्र.कु. मृत्यंजय, ब्र.कु. बिन्दू

- चार ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपना जीवन विश्व कल्याणार्थ किया आजीवन समर्पण
- कार्यक्रम के दौरान केक काटकर माननीय राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल जी का मनाया गया जन्मदिन

आर्ट ऑफ सेल्फ इंजीनियरिंग अभियान का शुभारम्भ

ब्रह्माकुमारीज़ के वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग द्वारा

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पीयूष, दुर्गा शंकर मिश्र, ब्र.कु. बृजमोहन, डॉ. वी.पी. जॉय, ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. गिरिजा तथा अन्य।

दिल्ली-लोधी रोड। दुर्गा शंकर मिश्र,सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय,भारत सरकार ने कहा कि दुनिया का सबसे विशेष इंजीनियरिंग उत्पाद मानव शरीर है। जब आप आत्मा का अनुभव करेंगे तभी आप सेल्फ इंजीनियरिंग को समझेंगे। विश्व का सबसे बड़ा इंजीनियर तो भगवान है। आज हमें अपने आप को ईश्वर से जोड़ने की आवश्यकता है। यही सेल्फ इंजीनियरिंग है। इसी से हमारे जीवन में सुख, शांति, आनंद एवं प्रेम की अनुभूति होगी।

डॉ.वी.पी.जॉय,महानिदेशक,हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय ने कहा कि विज्ञान ने हमें बाहरी रूप में बहुत कुछ दिया है, लेकिन मन की शांति इससे दूर हो रही है। हम चाहें तो अपनी सभी समस्याओं का समाधान स्वयं निकाल सकते हैं। इसके लिए कुछ एक क्षण निकाल कर, हमें एकांत में बैठने की आदत डालने की आवश्यकता है। राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल, अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग ने कहा कि अपने दिल, दिमाग और हाथ में सामंजस्य हो, तभी सेल्फ इंजीनियरिंग हो सकती है। हम दूसरों को तो दोषी ठहराते हैं, लेकिन अपने आप को नहीं देखते। हमें जीयो और जीने दो के सिद्धान्त को अपनाने की आवश्यकता है। राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन,अपर महा सचिव,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि एक ही चीज़ सुख भी दे सकती है और दुःख भी दे सकती है। हमारे अंदर देने की भावना होगी तभी हम प्रसन्न रह सकेंगे। प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. जवाहर मेहता ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. गिरिजा बहन,संचालिका,लोधी रोड केन्द्र ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। ब्र.कु. पीयूष, ज़ोनल को-आर्डिनेटर,वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया एवं प्रतिभागियों को राजयोग द्वारा गहन की गहन अनुभूति भी कराई। यह कार्यक्रम दिल्ली लोधी रोड स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर सभागार में आयोजित किया गया।

किसानों के जीवन स्तर को उठाने के लिए यौगिक खेती अच्छी पहल

रायपुर-छ.ग.। कृषि और जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि सकारात्मक सोच और यौगिक खेती से किसानों का सशक्तिकरण होगा और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे ब्रह्माकुमारीज़ के इस अभियान में राज्य शासन और कृषि वैज्ञानिक भी सहयोग करेंगे। रविन्द्र चौबे ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित किसान सशक्तिकरण अभियान के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि किसान सशक्तिकरण अभियान का पहला उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना है। दूसरा उद्देश्य उनकी अर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। किसानों को जैविक खेती के साथ ही राजयोग की शिक्षा देकर यौगिक खेती के लिए मार्गदर्शन करेंगे। तीसरा उद्देश्य किसानों को व्यसन मुक्ति की प्रेरणा देना है। किसान खुशहाल होंगे तो समाज और देश भी खुशहाल बनेगा। यौगिक खेती में किसी भी प्रकार के रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग नहीं किया जाता है। इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,रायपुर के कुलपति डॉ. एस. के. पाटिल ने कहा कि आज लोग लालच में आकर ज़्यादा से ज़्यादा रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग करने लगे हैं जोकि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक अनुशासन के साथ आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोड़ना ही योग है। योग से लालच दूर होगा और हानिकारक रसायनिक खाद से छुटकारा मिलेगा। ब.कु. आत्मप्रकाश ने भी अपने विचार रखे। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि हमारा आध्यात्मिक जागृति और नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना के बिना कोई भी विकास अधूरा है। आज ग्राम्य संस्कृति को पुनः जागृत करने की आवश्यकता है। इसी दिशा में जैविक खेती में योग का समावेश कर ब्रह्माकुमारी संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा शाश्वत यौगिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि कम खर्च में अधिक और स्वास्थ्य वर्धक पैदावार प्राप्त की जा सके। इस दौरान माउण्ट आबू से आए मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुमन्त ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन धमतरी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. सरिता दीदी ने किया।

ब्र.कु. कमला दीदी, ब्र.कु. आत्म प्रकाश, रविन्द्र चौबे, ब्र.कु. सरला व डॉ. एस.के. पाटिल।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा छत्तीसगढ़ में किसान सशक्तिकरण अभियान का शुभारम्भ

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Oct 2019
प्रकाशक एवं संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, डी.बी. प्रिंट कॉर्प. जयपुर से मुद्रित एवं ब्रह्माकुमारीज़ के लिए छपवाया। **कार्यालय :** ओमशान्ति मीडिया,ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन,आबू रोड - 307510, ई.मेल - omshantimedia@bkivv.org